आज का पुरुषार्थ, 17 April 2022

From: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज अपने पुरुषार्थ द्वारा गोल्डेन एज स्थिति, अपने सम्पूर्ण स्थिति को प्राप्त करने का अभ्यास करेंगे "*

भगवानुवाच ... " **जब तुम्हारी गोल्डेन एज स्थिति न आये तब तक विनाश होगा नहीं** "

गोल्डेन एज स्थिति में जाने से पहले यही पर हमारे गोल्डेन एज स्थिति आ जायेगी।

विचार करे .. सतयुग के शुरू में हमारी कितनी **श्रेष्ठ स्थिति होगी। सुख-शान्ति, धन-सम्पदा, प्रकृति-मालिक** वही स्थिति यहाँ ही हमारे अंत में आ जायेगी। उसी स्थिति को यहाँ से लेकर हम सतयुग में प्रवेश करेंगे।

जब हमारे ऐसी स्थिति आ जायेगी तब हमारे अंदर बहुत ताकत होगी। हमारे जीवन में बहुत फलक होगी, हमारे **बोल में बहुत प्रभाव होगा।** और तब होगा **जयजयकार** शुरू।

तो हम अपने गोल्डेन एज स्थिति बनाने के लिए बहुत ध्यान दे। लक्ष्य निर्धारित करे कि हमें अपने स्थिति को बहुत महान बनाना है। इसके लिए कुछ अभ्यास करना शुरू करे।

अशरीरी होने का अभ्यास .. **तो आत्मा जैसे जैसे देह से न्यारी होगी, उसकी मूल स्थिति स्वतः ही आती जायेगी।**

आत्मिक दृष्टि का अभ्यास .. हमें **देह के आकर्षणों से मुक्त** करता चलेगा। हमें लगेगा देह तो हर एक के भिन्न भिन्न प्रकार के है ही। और **आत्मा देह का आधार लेकर अपना अपना पार्ट play कर रही है।** यह शरीर तो बदलते रहते है। इससे आकर्षण क्यों। यह समाप्त होता चलेगा। इससे प्योरीटी बढ़ती चलेगी।

तो आत्मिक भाव धारण करना बहुत आवश्यक है। सारा दिन में दो चार बार अवश्य सोचा करे ...

" संसार के सभी मनुष्य आत्मायें चमकती हुई ज्योति है, सब अपना अपना पार्ट प्ले कर रहे है "

अशरीरीपन को बढ़ाते चले। आत्मिक दृष्टि के साथ ध्यान दे कि गोल्डेन एज स्टेज लाने के लिए हमें अपनी मन और बुद्धि को पूरी तरह स्वच्छ करना है।

क्रोध से भी मुक्त, लोभ-मोह-ईर्ष्या-द्वेष से भी मुक्त। परचिंतन-परदर्शन से भी मुक्त। बदले की भावना, वैर भावना से भी मुक्त। तो स्वयं को मुक्त करते चलेंगे तो स्थिति सतोप्रधान बनती चलेगी।

हम इस बात पर बहुत **ध्यान दे कि** हमारा मन कही विचलित तो नहीं होता? हमारे मन में शान्त भाव, साक्षी भाव सदा रहता है? हमारी कर्मेन्द्रियाँ शीतल हो गई है या उनमें विकारों की अग्नि अभी बाकी है? हमारी सभी इच्छायें-तृष्णायें मिट गई है या संसार की इच्छाओं के पीछे हम अभी भी भाग रहे है?

तो जैसे जैसे हम अपनी **सतोप्रधान स्थिति** बनाते चलेंगे, सतोप्रधान समय नजदीक आता जायेगा। पर यह न सोचे हम न बनाये तो वह समय आयेगा ही नहीं! समय तो आयेगा ही। लेकिन हम अपनी स्थिति द्वारा उसको सहयोग करेंगे तो समय भी हमें सदा सहयोग करता रहेगा।

तो आज सारा दिन हम अपने **सामने अपना सम्पूर्ण गोल्डेन एज स्वरुप रखेंगे।** और पाँचों स्वरूपों को याद करेंगे। कैसे थे हम सतयुग में। बिल्कुल अपने सामने देखे ... यह है हमारा प्रथम स्वरुप।

फिर मंदिरों में चले ... यह है हमारे **पुज्य स्वरुप**, जो आज भी सभी भक्तों की मनोकामना पूर्ण कर रहे है।

यह है मेरा फरिश्ता स्वरुप ... जिससे चारों ओर **लाइट और माइट फैल रही है।**

और यह है मेरा धाम .. **शान्ति धाम।** जहाँ मैं अपने डीप साइलेन्स की स्थिति में रहती हूँ।

अपने सभी स्वरुपों का निरंतर अभ्यास करेंगे और गोल्डेन एज स्थिति की ओर चलेंगे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org